



आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

नागदेन स्वयं सहायता समूह

एस ,एच, जी, नाम	नागदेन स्वयं सहायता समूह
बी, एम, सी, सब कमेंटी	ग्रु 2
एफ, टी, यू ,रेज	ताबो
डी, एम, यू	सिपिति
एफ सी सी यु/सर्किल	षिमला

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
01	कार्यकारिणी सांराष	1-2
02	परिचय	3
03	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
04	समूह का विवरण	5
05	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6 – 7
06	आय सृजन गतिविधियों से सम्बंधित उत्पादन	8
07	उत्पादन हेतु नियोजन	9
08	बिक्री का विवरण	10
09	समूह के मध्य प्रबंधन का विवरण	10
10	शक्ति दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेषण	11
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	11 – 13
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	14
13	उद्यम लागत	14
14	समूह की वित्तीय आवश्यकता	14
15	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	15

16	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूची	16
17	समूह का सहमति पत्र	17
18	समूह के सदस्य का फोटो	18

1, परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती हैं प्रदेश की कुल आबादी 30 लाख है। इस का भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल तक फैला हुआ है। यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल के 12 जिलों में स्पिति जिला पर्यटन कृषि व जड़ी बूटी के लिए प्रसिद्ध है।

गांव ग्यू डाकघर, लारा तहसील स्पिति जिला लाहौल स्पिति हिमाचल प्रदेश में स्थित है जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह तरह के नाम दिये गए हैं जिस में एक नाम ग्यू है। ग्यू स्पिति मुख्यालय से 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

गांव ग्यू में लोगो का मुख्य व्यवसाय कृषि बागवानी है। अधिकतर लोगो के पास बहुत का जमीन है जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं गांव में लोग बुनाई का कार्य भी कर रहे हैं। परंतु उत्पादन पारंपरिक तरीके से होता है। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है इस समस्या को दूर करने के लिए व उत्पादको का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उत्तम किस्म के यंत्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है। उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र एवं प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति डेमुल के गठन के बाद लोगो को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया परियोजना के माध्यम से ग्यू में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया नागदेन व काकलिंग स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया इसके बाद नागदेन स्वयं सहायता समूह ने खड़ी व केटरिंग का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 08 सदस्य शामिल हुए।

गाँव ग्यू

2. नागदेन स्वयं सहायता समूह की सूची।

क्रमांक	सदस्यो का नाम	पद	आयु	लिंग	योग्यतक	श्रेणी	सम्पर्क
01	नमजाल डोलमा	प्रधान	33	स्त्री	बारहवी	एस.टी	7018138704
02	छेतेन डोलमा	सचिव	50	स्त्री	अनपढ़	एस.टी	
03	बीना देवी	सदस्य	46	स्त्री	पॉचवी	एस.टी	
04	बिमला देवी	सदस्य	48	स्त्री	सातवी	एस.टी	
05	दावा छोडन	सदस्य	34	स्त्री	दसवी	एस.टी	
06	छेरिंग पालजोम	सदस्य	55	स्त्री	अनपढ़	एस.टी	
07	लोबजग डोलमा	सदस्य	55	स्त्री	अनपढ़	एस.टी	
08	छेवाग डोलमा	सदस्य	27	स्त्री	एम.ए.	एस.टी	

3. नागदेन स्वयं सहायता समूह का विवरण।

01	समूहकानाम	नागदेन स्वयं सहायता
02	ग्राम वन विकास समिति	स्पिति
03	वन परिक्षेत्र क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	तबो
04	वन मंडल मंडलीय प्रबंधन इकाई	स्पिति
05	गंव	ग्यू
06	विकासखड़	काजा
07	थजला	लाहौल स्पिति
08	समान सूची समूह में कुल सदस्यो की संख्या	08
09	समूह की गठन की तिथि	17/03/2023
10	बैंक खाता संख्या	50075637428
11	बैंक का नाम और शाखा जंहा समूह का खाता संचलित है।	Kcc Bank tabo
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	800 (एक माह में)
14	सदस्यो को आपस में दिया गया ऋण	
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	

4. गांव की भौगोलिक स्थिति।

01	जिला मुख्यालय से दूरी	30 किलोमीटर लगभग
02	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	काजा 50 किलोमीटर लगभग

03	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	काजा
04	08 किलोमीटर लगभग	काजा 80 किलोमीटर लगभग
05	मुख्य षहरो के नाम जहां उत्पादन का विक्रय विपणन किया जाएगा	काजा, रामपुर, कूल्लू, मनाली।
06	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबध मे गांव की कोई विशेष सूचना	
07	पिछले पूर्व और आगामी संपर्को की स्थिति	

(1) व्यवसाय योजना की आवश्यकता

ग्राम वन विकास समिति ग्यू में महिलाओं का पहले से गठित समूह है जिस में समूह की सभी महिलाएं खड़ी का कार्य करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है। इसलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मशीन प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है।

(2) व्यवसाय योजना के उद्देश्य

- समूह के सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना।
- समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना।
- उत्पादन को उचित बाजार से जोड़ना।
- सभी सदस्य को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।
- बुनाई व हथकरघा व्यवसाय की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना।
- आजीविका की बढ़ोतरी।

(3) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य शामिल है।

- बुनाई कोटी स्वेटर बच्चो के सेट टोपी जुराबे इत्यादी शामिल है।
- हथकरघा गलीचे बनाने का कार्य शामिल है।

(4) सामुदायिक गतिशीलता

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलता के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थी की छटनी की गयी है।

(5) समूह का निर्माण

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया तथा समूह का अध्यक्ष सचिव का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है। समूह के सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम व शर्तें निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है।

(6) क्षमता का निर्माण

लाभार्थी की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है।

(7) मशीन व खड़ी इत्यादी का वितरण

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीनें उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सकें।

(8) बाजार से जोड़ना

अपने उत्पादन बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबंध

स्थापित करने के लिए तैयार है त्रिकय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़ कर मेलों में प्रदर्शनी लगाकर आय कमाने हेतु जो

जाएगा। अधिक उत्पादन होने पर कूल्लू व रामपुर बाजार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़ कर कार्य करेगी।

(9) वित्तीय संसाधनों एवं संगठित विभागों से जोड़ना।

यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए समूह को वित्तीय संस्थानों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा।

(10) बाजार की जानकारी।

काजा, रामपुर, कूल्लू, मनाली के क्षेत्रों में दुकानदारों के साथ जुड़ कर कार्य करेगी।

(11) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन।

वित्तीय प्रबंध (पूँजीगत व्यय का 75% श्रेणी बार परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी शेष 25% सदस्य द्वारा वहन किया जाएगा।

कुल: 10 सदस्य

तकनीकी : तकनीकी सहायता गाँव में ही मास्टर टेनर लगाकर परियोजना द्वारा उचित प्रशिक्षण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगा।

(12) आनुमानित लाभ।

महिलाओं के लिए घरेलू रोजगार उपलब्ध होगा।

समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा।

समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती हैं।

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पादन का विवरण।

1	उत्पादन का नाम	खड़ी / केंटरिंग
2	उत्पादन की पहचान की पद्धति	
3	स्वयं सहायता समूह / समान सूची समूह / सदस्यों की सामूहिक सहमति।	हाँ

6. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण।

सर्वप्रथम स्वयं सहायता के सदस्यों को परियोजना द्वारा कोटी, स्वेटर, जुराबे, बेबी सेट, टोपी, मफलर, आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पादन तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगी।

समूह के सभी सदस्य मिल कर कार्य करेंगे।

समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

समूह के सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घण्टे काम करेंगे।

7. उत्पादन हेतु नियोजन।

प्रतिमाह कार्य दिवस :	30
प्रतिमाह कार्य करने वाले व्यक्ति :	08
कच्चे माल के स्रोत:	काजा ,रामपुर ,कूल्लु , मनाली।
अन्य संसाधन के स्रोत:	काजा ,रामपुर ,कूल्लु , मनाली।

1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन 4से 5 घण्टें कार्य करेगी।	
2	प्रतिचक्र कार्यकर्ताओं की आवश्यकता सख्यां	सभी सदस्य मिल कर कार्य करेगे।
3	कच्चे माल के स्रोत	काजा ,रामपुर ,कूल्लु , मनाली।
4	अन्य संसाधन के स्रोत	काजा ,रामपुर ,कूल्लु , मनाली।

नोट : स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है। तथा इस व्यवसाय योजना में शामिल नहीं है।

8. बिक्री का विवरण।

1	संभावित बाजार स्थल	काजा ,रामपुर ,कूल्लु , मनाली।
2	इकाई से दूरी	काजा : 80 रामपुर : 280 कूल्लु : 280 मनाली : 300
3	बाजार में उत्पादन की मांग	
4	बाजार में पहचान की प्रकिया	लोकल बाजारों को चिन्हित किया गया है। जैसे की काजा कूल्लु रामपुर मनाली
5	उत्पादन के संभावित खरीदार	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढ़ाया जाएगा।
6	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	स्थानीय निवासी
7	उत्पादन का विपणन तंत्र	गाँव व शहर की महिलाएं पुरुष
8	उत्पादन की विपणन रणनीति	2, समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन किया जाएगा।

9. समूह के सदस्य के मध्यप्रबंधन का विवरण।

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे।
समूह के सदस्य आपसी सहमती से कार्य करगी।
कार्य कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
विपणन करने वाले सदस्य को कुल 5% कमीशन दी जाएंगी।
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं आवलोकन समय समय पर करते रहेंगे।

10. षक्ति दुर्बलता अवसर जोखिम का विष्लेषण।

षक्ति।

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही सभी महिलाओं का काम करती हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी हैं।

दुर्बलता।

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
कार्य के लिए 4 या 5 घण्टें ही निकाल पाना।

अवसर।

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादको की लोकल व शहरों में मांग है।
काजा, कूल्लु, रामपुर, मनाली, चंद्रताल, पर्यटक स्थल हैं।
अच्छे उत्पादन तैयार करना।

चुनौती।

बजार की स्थिति को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

11. संभावित चुनौतियों तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण।

क,स	जोखिम / चुनौतियों का विवरण	जोखिम कम करने के उपाय
1	बजार की स्थिति को ना समझना।	समय – समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2	अच्छे उत्पादन तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मनपंसद उत्पाद तैयार करना।
3	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व पुरु में कम लाभ कमाना।
4	उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यों में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के कार्य के साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6	समूह में बंटवारा	समूह में बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना।
7	उत्पादन की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

12. उद्यम हेतु अनुमानित लागत।

(1) पूजीगत व्यय।

क्रमांक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	गलीचे / खडी	08	17000	136000	102000	34000
2	कैटरिंग					
	चूल्हा डबल वाला	01	6000	6000		
	कुर्सी / टेबल	25 / 6	350 / 1000	8750 / 6000		
				=14750		

	थाली छोटी/बडी	25/25	90/160	2250/4000 =6250		
	गिलास/कप	20/30	60/1/25/1	1200/900 =2100		
	चौमिन कढाई	1	700	700		
	चम्मच	24/24	180/12	2160/2160 =4320		
	छोटी कोलियाँ	20	90/1	1800		
	बाउल	20	100/1	2000		
	तवा	1	800	800		
	चोपर/होटकेस	1/3	250/600	250/2000 =2250		
	थुक्पा मशीन	1	5000	5000		
3	योग			45970	34477	11492
	कुल योग			181970	136477	45492

(2) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है।

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	छर	धनराशि
1	कच्चा माल घागा	किलोग्राम	60	380	22800
2	सुतर घागा	किलोग्राम	60	280	16800
3	मजदूरी	दिन	30	350	10,500
4	अन्य खर्चा पैकेंज,स्टीकर,बिजली कमरा, किरया, परिवहन खर्चा इत्यादि				10000
5	कुल योग				60100

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	छर	धनराशि
1	मिक्स सबजियाँ/दालें	किलोग्राम	20	5000	100000
2	मसालें	किलोग्राम	05	2000	10000
3	प्याज, टमाटर,लहसनं आदि		40	6000	240000
4	अन्य खर्च, पैकेंज,बिजली, कमरा किराया,परिवहन खर्चा आदि।				10000
5	योग				350000

(3)उत्पादन की लागत

क्रमांक	विवरण	धनराशि
1	कुल आवती लागत	410100
2	पूँजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1516
3	योग	411616

(4) विक्रय मूल्य की गणना ।

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	छर	धनराशि
	उत्पादन की लागत				
1	गलिचे	नंबर	10	4000	40000
2	गलिचे	नंबर	10	8000	80000
3	कुल लागत		20नग		120000

1	उत्पादन की लागत				
2	खाना/थाली	नंबर	100 प्लेट	180	18000
3	खाना/मोमोस थुकपा	नंबर	150 प्लेट	120 / 170	43500
4	कुल लागत				61500

(5) उत्पादन की अनुमानित विक्रय ।

01	गलिचे	नंबर	10	8000	80000
----	-------	------	----	------	-------

01	खाना/थाली	नंबर	100	200	20000
01	खाना/मोमोस थुकपा	नंबर	150	300	45000
	योग				145000

निरधरित लाभ (प्रतिषत में)

01	गलीचा	80%	20	3200	64000
----	-------	-----	----	------	-------

01	खना	80%	100	144	14400
01	खाना	80%	150	232	34800

13. उद्यम हेतु लागत – लाभ विषलेष्ण (एक चक्र के लिए)

क्रमांक	मद	धनराषी
	पूजीगत व्यय पर 10%वार्षिक ह्रास	1516
	आवर्ती व्यय	410100
	योग	411616
	कमरा किराया	3000
	परिवहन	2000
	मजदूरी	11000
	कच्चा माल धागा	39600
	अन्य समाग्री	350000
	कुल उत्पादन (न. में)	10 / 250
	उत्पादन की विक्रि प्रतिमाह	10 / 250
	उत्पादन की बुनाई से आय	145000
	कुल लाभ = बिक्री मूल्य- (पूजीगत मूल्य ह्रास+ आवर्ती मूल्य) = 145000- (1516+410100)	266616
	उत्पादन की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ + मजदूरी +कमरा किराया। = 266616 + 11000 +3000	280616

यह धनराषी मजदूरी व किराये की धनराषी के अतिरिक्त है

14. धन की आवश्यकता

क्रमांक	विवरण	राशि
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	136477
2	लाभार्थी अंश 25% पूंजीगत व्यय	45492
3	अन्य व्यय	5000
4	प्रशिक्षण	55000
	योग	241969

15. सम विच्छेदन बिन्दु (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना।

ब्रेक इविन प्वाइन्ट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

$$= 181970 / 145000 - 410100$$

$$= 181970 / 265100 =$$

$$1.46 \text{ माह} = 1.46 \times 30 = 54 \text{ दिन लगभग।}$$

अतः लगभग 45 से 60 दिनों में सम विच्छेदन बिन्दु प्राप्त किया जाएगा।

16. स्वयं सहायता समूह नियमों की सूची।

1. समूह का काम : गलीचे / केंटरिंग
2. समूह का पता : गाँव ग्यूडाकघर ताबोतहसीलसिपिति जिला लाहौल सिपिति हिमाचल प्रदेश।
3. समूह के कुल सदस्य: 08
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ; 26 नवंबर।
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 22 तिथि को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेंगे।
8. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वयं सहायता समूह का खाता हिमाचल प्रदेश KCCB Tabo शाखा में खोला है खाता संख्या नंबर है।
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की राशि जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते हैं तो उस महिला को समूह से निकाल दिया जाएगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होंगे तो खर्च मिल कर देना होगा।
13. भविष्य में स्वयं सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाएंगे।

14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते हैं यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरुद्ध कोई काम नहीं करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेंगे।
16. अगर सदस्य किसी कारण वषंश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नहीं
17. ऋण का उदेय रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए।
19. संवय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा राशी समूह में बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit)के कार्यालय में देनी होगी।

सहमति पत्र

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 26/11/22 BMC Sub Committee Gue में नागदेन स्वयं सहायता समूह की बैठक की अध्यक्षता प्रधान श्रीमती नामजाल डोलमा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्या "खडी व कैटरिंग" का कार्य करके अपने समूह की आय को बढ़ाएगी और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने में सभी ने रूची दिखाई है।

प्रधान
नामजाल डोलमा
नामजाल डोलमा

सचिव छेतेन डोलमा
छेतेन डोलमा

President
B.M.C. Sub Committee
नामजाल डोलमा

Divisional Forest Officer
Spiti Wildlife Division
at Kaza

